चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.3.26	4	3-8

एचएयू कृषि मेला संपन्न • 250 स्टॉलों पर 41 लाख से अधिक के बीज व उत्पाद बिके, समापन पर वीसी बोले

जल, भूमि और पर्यावरण का संतुलित उपयोग जरूरी, जो तकनीक व प्राकृतिक खेती से संभव

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसानों के हित में समय-समय पर उन्नत किस्मों एवं जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का विकास कर रहा है। यह बात एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि मेला खरीफ के समापन अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल, भूमि एवं पर्यावरण का संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। नई तकनीकों जैसे प्राकृतिक खेती, टिश्यू कल्चर तथा कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई के समुचित उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों का संरक्षण संभव है। कुलपति ने कहा कि हमें ऐसी टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली अपनानी होगी, जो न केवल किसानों की आय बढ़ाए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को भी सुरक्षित रखे।

धन्यवाद प्रस्ताव सह निदेशक विस्तार डॉ. सुनील ढांडा ने किया। मंच का संचालन डॉ. कनिका एवं श्वेता ने किया। एचएयू मेले में दो दिवसीय मेले के दौरान 41 लाख 23 हजार 820 रुपए के बीज, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 39 लाख 20 हजार रुपए के खरीफ फसलों के प्रमाणित बीज तथा करीब 61 हजार 500 रुपए के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें।

एचएयू कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए।

कृषि मेले में मंगलवार को स्टॉल पर जानकारी लेते किसान।

सीड्ज साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग की स्टॉल रही प्रथम, सब्जी विभाग द्वितीय

सीसीएसएचएयू विभाग समूह में सीड्ज साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग प्रथम, सब्जी विज्ञान विभाग द्वितीय तथा एबिक बेकरी/ऑयलसीड सेक्शन तृतीय स्थान पर रहे। वहीं एमएचयू/लुवास/सरकारी विभाग समूह में लुवास, हिसार ने प्रथम, एमएचयू, करनाल ने द्वितीय तथा हरियाणा उद्यान विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिक्स ग्रुप में टेरानोवा एग्रो इनोवेशन प्रा. लि. को प्रथम, लेजर इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज को द्वितीय तथा शक्ति मेक मार्शल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा किसान कल्याण प्राधीकरण के सीईओ डॉ. रविन्द्र चौहान भी उपस्थित रहे। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले में कुल 250 स्टॉलें लगाई गई।

डीएलएसी हिसार का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

हिसार | एचएयू में आयोजित कृषि मेले के दौरान डीएलएसी हिसार द्वारा लगाए स्टॉल ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस स्टॉल का औपचारिक निरीक्षण सीजीएम सह सचिव, डीएलएसी हिसार अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर स्टॉल पर आए किसानों व आम नागरिकों को विभिन्न कानूनी अधिकारों एवं योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। डीएलएसी एवं नालसा की योजनाओं से संबंधित पेम्पलेट्स व वाउचर वितरित किए गए। इसके साथ उपस्थित लोगों की कानूनी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया और उनका मौके पर ही त्वरित एवं उचित निपटारा किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट जोगमनी शर्मा, एडवोकेट हरपाल सिंह, डिप्टी सुपरिटेंडेंट रविंद्र, पीएलवी रविंद्र, क्लर्क बिजेंद्र सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	25.3.26	2	1-3

दैनिक जागरण

छह राज्यों से किसान पहुंचे, 41 लाख से अधिक के बीज बिके

एक लाख 7 हजार किसानों ने कृषि विधियों की जानकारी ली

हिसार में कृषि मेला

39 लाख 20 हजार रुपये के खरीफ फसलों के प्रमाणित बीज व 61 हजार 500 रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें

जागरण संवादाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय खरीफ कृषि मेले मेले में छह राज्यों के किसान पहुंचे। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश से एक लाख सात हजार से अधिक किसानों ने भाग लिया।

किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी की जानकारी ली। मेले में 41 लाख 23 हजार 820 रुपये के बीज, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि किसानों ने करीब 39 लाख 20 हजार रुपये के खरीफ फसलों के प्रमाणित बीज व करीब 61 हजार 500 रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। किसानों ने 74 हजार 170 रुपये के जैव उर्वरक व 35 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा।

लुवास ने गोबर से ईंधन बनाने बारे दी जानकारी : लुवास के चिकित्सकों ने गोबर से ईंधन बनाने बारे मेले में आए किसानों को जानकारी दी। डा. मान व अनिल ने बताया कि गोबर, तूड़ी व लकड़ी के बुरादा को मशीन में डालते है, जिससे सभी का मिश्रण तैयार होता है। इसे ईंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। मेले में बरवाला से किसान अनूप 25 किलोग्राम का पेठा व लौकी, पांच फीट लंबी लौकी भी आकर्षण का केंद्र रही।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टालों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए। • पीआरओ

कृषि मेले में 435 नमूनों की हुई जांच

मिट्टी व पानी के 435 नमूनों की जांच करवाई गई। मेले में 28 हजार 800 रुपये के टिश्यू कल्चर प्लांट भी बेचे गए। सब्जी के 25 हजार से अधिक गुणवत्तापूर्ण पौध की बिक्री की गई। संयुक्त निदेशक विस्तार डा. सुनील ढांडा ने प्रदर्शनी में 250 स्टालें लगाई गई। इनमें कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केंद्र रही। युवा एजुकेशन सोसाइटी, स्वास्थ्य विभाग व लोक मीडिया टीम की ओर से डा. सुदामा बौद्ध ने एचआइवी के उपचार बारे भी जागरूक किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	25.7.26	12	2-8

हकृवि में कृषि मेला (खरीफ) के समापन पर बोले कुलपति

जल, भूमि और पर्यावरण का संतुलित उपयोग बेहद जरूरी

- मेले में बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र, कीटनाशी, पशु चिकित्सा एवं अन्य नवाचारों से संबंधित स्टॉल रही आकर्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ मंगलवार को सम्पन्न हो गया। कृषि मेला 'सतत कृषिः समृद्धि की राह' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। मेले में बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र, कीटनाशी, पशु चिकित्सा एवं अन्य नवाचारों से संबंधित स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के हित में समय-समय पर उन्नत किस्मों एवं जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का विकास कर रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे गांव स्तर पर गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की पहल करें, जिससे

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते वीसी प्रो. बीआर काम्बोज।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉल प्रतिनिधि सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि स्टॉलों में से सीड्ज ग्रुप में समग सीड्स प्रा. लि. प्रथम, आईएफएसएस सीड्स प्रा. लि./स्टार एग्री सीड्स प्रा. लि. द्वितीय तथा शक्तिवर्धक हाइब्रिड सीड्स तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टीसाइड/पेस्टिसाइड समूह में बायर क्रॉप साइंस लि. प्रथम, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लि./मैक्सवो एग्रोलॉजी लिमिटेड को द्वितीय तथा आर्बोइट इंटरनेशनल सोल्यूशंस एलएलपी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उर्वरक समूह में हैबिटेट जीनोम इम्प्रूवमेंट प्राइमरी लि. को प्रथम, इफको हरियाणा/कृभको को द्वितीय तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लि. को तृतीय स्थान मिला। मशीनरी/ट्रैक्टर समूह में करतार एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा. लि. प्रथम, दो सरदार एग्री वर्क्स/न्यू किसान सेवा केंद्र द्वितीय तथा विरदी एग्रो टेक्नोलॉजी/मास्टर माइंड एग्रो इंडस्ट्रीज तृतीय स्थान पर रहे।

प्रगतिशील किसान समूह में हिसार के बाले सिंह ने पाया पहला स्थान

प्रगतिशील किसान समूह में बाले सिंह (मिंगनी खेड़ा, हिसार) को प्रथम, योगेंद्र (महेंद्रगढ़) को द्वितीय तथा सुभाष एवं धर्मबीर (यमुनानगर) को तृतीय स्थान मिला। सीसीएसएचएयू विभाग समूह में सीड्ज साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग प्रथम, सब्जी विज्ञान विभाग द्वितीय तथा एबिक बेकरी/ऑयलसीड सेक्शन तृतीय स्थान पर रहे। वहीं एमएचयू, लुवास, सरकारी विभाग समूह में लुवास, हिसार ने प्रथम, एमएचयू, करनाल ने द्वितीय तथा हरियाणा उद्यान विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिक्स ग्रुप में टेरानोवा एग्रो इनोवेशन प्रा. लि. को प्रथम, लेजर इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज को द्वितीय तथा शक्ति मेक मार्शल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वेट फार्मा ग्रुप में नानक लेबोरेटरीज (डॉ. जॉन) को प्रथम, वेक्स्टर हेल्थ केयर को द्वितीय तथा मचवेल फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि. को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा किसान कल्याण प्राधीकरण के सीईओ डॉ. रविन्द्र चौहान भी उपस्थित रहे। धन्यवाद प्रस्ताव सह निदेशक विस्तार डॉ. सुनील ढांडा ने किया। मंच का संचालन डॉ. कनिका एवं श्वेता ने किया।

हिसार। हकृवि द्वारा आयोजित कृषि मेले में पहुंचे किसान।

हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे किसान

कृषि मेले में 1.07 लाख किसानों ने की शिरकत

- 41 लाख रुपये से अधिक की खरीफ फसलों के बीज व अन्य उत्पादों की हुई बिक्री

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 1 लाख 7 हजार से अधिक किसानों ने भाग लिया।

किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। दो

23 हजार 820 रूपये के बीज, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 39 लाख 20 हजार रुपये के खरीफ फसलों के प्रमाणित बीज तथा करीब 61 हजार 500 रूपए के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें। बीजों के अलावा किसानों ने 74 हजार 170 रुपये के जैव उर्वरक तथा 35 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 435 नमूनों की जांच करवाई गई। टिश्यू कल्चर प्लांट भी बेचे गए। इसके अलावा मेले में सब्जी वर्गीय फसलों की 25 हजार से अधिक गुणवत्तापूर्ण पौध की बिक्री की गई। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। इस प्रदर्शनी में कुल 250 स्टॉलें लगाई गई।

मेले के अन्तिम दिन बीज बिक्री केन्द्रो एवं स्टालों पर किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.3.26	1	2-5

किसानों ने आधुनिक कृषि यंत्र व वैज्ञानिक तरीके से खेती को लेकर दिखाई रूचि

हकृवि का मानना, जागरूक किसान ही मजबूत कृषि की पहचान

हिसार, 24 मार्च (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ सम्पन्न हुआ। कृषि मेला 'सतत कृषि: समृद्धि की राह' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। वहीं मेले में बड़ी तादाद में किसानों ने हिस्सा लिया। खास बात यह रही महिलाओं ने भी इस मेले में रूचि दिखाई और आधुनिक कृषि यंत्रों और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने बारे जानकारी ली। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि कृषि मेला में बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि आज का किसान जागरूक, वैज्ञानिक सोच रखने वाला एवं नवाचारों को अपनाने के लिए तत्पर है।

मेले के दौरान प्रतिभागियों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जल के समुचित उपयोग, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, संस्थानों एवं कंपनियों को सम्मानित किया गया। प्रगतिशील किसान समूह में बाले सिंह (मिंगनी खेड़ा, हिसार) को प्रथम, योगेंद्र (महेंद्रगढ़) को द्वितीय तथा सुभाष एवं धर्मबीर (यमुनानगर) को तृतीय स्थान मिला। सी.सी.एस.एच.ए.यू. विभाग समूह में सीड्ज साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग प्रथम, सब्जी विज्ञान विभाग द्वितीय तथा एबिक बेकरी/ऑयलसीड सेक्शन तृतीय स्थान पर रहे। वहीं एम.एच.यू./लुवास/सरकारी विभाग समूह में लुवास, हिसार ने प्रथम, एम.एच.यू., करनाल ने द्वितीय तथा हरियाणा उद्यान विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

किसानों एवं वैज्ञानिकों के लगातार संवाद से कृषि को मिलेगी नई दिशा: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के हित में समय-समय पर उन्नत किस्मों एवं जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों एवं वैज्ञानिकों के लगातार संवाद से कृषि को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे गांव स्तर पर गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की पहल करें, जिससे समय पर बीज उपलब्ध हो सके और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हों। कुलपति ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल, भूमि एवं पर्यावरण का संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है।

स्टाल पर एजोला इंडिकस की खेती बारे जानकारी देते हुए छात्राएं व स्टार्टअप शुरू करने वाली छात्रा ट्विंकल।

कुलपति प्रो.बलदेव राज काम्बोज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टाल प्रतिनिधि राजेन्द्र सिंह को सम्मानित करते हुए।

उन्होंने कहा कि नई तकनीकों जैसे प्राकृतिक खेती, टिश्यू कल्चर तथा कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के समुचित उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों का संरक्षण भी संभव है। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों का संगम है, जो भविष्य की कृषि दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कृषि मेले में 1 लाख 7 हजार किसानों ने की शिरकत, 41 लाख से अधिक के बीज व अन्य उत्पाद खरीदे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से बताया गया कि दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 1 लाख 7 हजार से अधिक किसानों ने भाग लिया। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। दो दिवसीय मेले के दौरान 41 लाख 23 हजार 820 रुपए के बीज, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई।

मिट्टी व पानी के 435 नमूनों की जांच करवाई

कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 435 नमूनों की जांच करवाई गई। मेले में 28 हजार 800 रूपए के टिश्यू कल्चर प्लांट भी बेचे गए। इसके अलावा मेले में सब्जी वर्गीय फसलों की 25 हजार से अधिक गुणवत्तापूर्ण पौध की बिक्री की गई।

पी.एच.डी. छात्रा ने शुरू किया स्टार्टअप

कॉलेज ऑफहोम साइंस से पी.एच.डी. की पढ़ाई कर रही छात्रा ट्विंकल ने बताया कि उन्होंने कृषि मेले में मिलेट्स के बिस्कुट की स्टॉल लगाई। छात्रा ट्विंकल ने बताया कि वह बिस्किट बेकरी के नाम से इसे चला रही है। मिलेट्स सेहत के लिए बहुत अच्छा रहता है। यह वेट कंट्रोल और डायबिटिज दोनों में बहुत काम आता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण मिलेट्स को लेकर काफी अवेयरनेस लोगों में है। इस कारण लोगों में इसके प्रति जागरूकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.3.26	3	1-5

"किसानों को लाभकारी कृषि प्रणाली अपनानी होगी, जिससे आय बढ़े"

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेले का सोमवार को समापन हो गया। कृषि मेला सतत कृषि समृद्धि की राह विषय पर आयोजित किया गया। विवि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्यातिथि रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के हित में उन्नत किस्मों व जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का विकास कर रहा है। किसान गांव स्तर पर गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की पहल करें। जल, भूमि एवं पर्यावरण का संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। नई तकनीकों जैसे प्राकृतिक खेती, टिश्यू कल्चर व कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समुचित उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के साथ संसाधनों का संरक्षण भी संभव है। किसानों को ऐसी टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली अपनानी होगी, जो न केवल किसानों की आय बढ़ाए। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, संस्थानों एवं कंपनियों को सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बलदेव काम्बोज स्टालों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए • विज्ञप्ति।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टालों को किया सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि स्टालों में से सीड्ज ग्रुप में समग सीड्स प्राइवेट लिमिटेड प्रथम, आइएफएएस सीड्स प्राइवेट लिमिटेड स्टार एग्री द्वितीय तथा शक्तिवर्धक हाइब्रिड सीड्स तृतीय स्थान पर रहे। इनसेक्टीसाइड, पैस्टीसाइड समूह में बायर क्राप साइंस लिमिटेड प्रथम, क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन लिमिटेड, मैक्सग्रो एग्रोलाजी लिमिटेड को द्वितीय व आर्बोइंट इंटरनेशनल सोल्यूशंस एलएलपी को तृतीय स्थान मिला। उर्वरक समूह में हैबिटेट जीनोम इम्प्रूवमेंट प्राइमरी लि. को प्रथम, इफको हरियाणा कृभको को द्वितीय तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लि. को तृतीय स्थान मिला। मशीनरी, ट्रैक्टर समूह में करतार एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम, दो सरदार एग्री वर्क्स, न्यू किसान सेवा केंद्र द्वितीय तथा विरदी एग्रो टेक्नोलाजी, मास्टर माइंड एग्रो इंडस्ट्रीज तृतीय स्थान पर रहे। वेट फार्मा ग्रुप में नानक लेबोरेटरीज डा. जान को प्रथम, वेक्सटर हेल्थ केयर को द्वितीय व मचवेल फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को तृतीय स्थान मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.3.26	1	6.7

कृषि मेला... एक लाख 7 हजार किसान पहुंचे

हिसार | एचएयू में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब सहित विभिन्न राज्यों के 1 लाख 7 हजार से अधिक किसानों ने भाग लिया। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। -विस्तृत समाचार पेज 4 पर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	24.03.2026	--	--

हकृवि के दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ का समापन

जागरूक किसान ही मजबूत कृषि की पहचान : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ सम्पन्न हुआ। कृषि मेला 'सतत कृषि समृद्धि की राह' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के हित में समय-समय पर उन्नत किस्मों एवं जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का विकास कर रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे गांव स्तर पर गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की पहल करें, जिससे समय पर बीज उपलब्ध हो सके और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हों। कुलपति ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल, भूमि एवं पर्यावरण का संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों जैसे प्राकृतिक खेती, टिश्यू कल्चर तथा कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के समुचित उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों का संरक्षण भी संभव है। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों का संगम है, जो भविष्य की कृषि दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कुलपति ने कहा कि हमें ऐसी टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली अपनानी होगी, जो न केवल किसानों की आय बढ़ाए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को भी सुरक्षित रखे। इस

अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, संस्थानों एवं कंपनियों को सम्मानित किया गया। मेले में बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र, कीटनाशी, पशु चिकित्सा एवं अन्य नवाचारों से संबंधित स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि स्टॉलों में से सीड्ज ग्रुप में समग्र सीड्स प्रा. लि. प्रथम, आईएफएसए सीड्स प्रा. लि./स्टार एग्री सीड्स प्रा. लि. द्वितीय तथा शक्तिवर्धक हाइब्रिड सीड्स तृतीय स्थान पर रहे। सीसीएसएचएयू विभाग समूह में सीड्ज साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग प्रथम, सब्जी विज्ञान विभाग द्वितीय तथा एविक बेकरी/ऑयलसीड सेक्शन तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में हरियाणा किसान कल्याण प्राधीकरण के सीईओ डॉ. रविन्द्र चौहान भी उपस्थित रहे। धन्यवाद प्रस्ताव सह निदेशक विस्तार डॉ. सुनील छोंडा ने किया। मंच का संचालन डॉ. कनिका एवं श्वेता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पक्षी दर्पण	24.03.2026	--	--

किसानों एवं वैज्ञानिकों के लगातार संवाद से कृषि को मिलेगी नई दिशा: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» जागरूक किसान ही मजबूत कृषि की पहचान: प्रो. काम्बोज

» हकृवि के दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का समापन

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ सम्पन्न हुआ। कृषि मेला 'सतत कृषि: समृद्धि की राह' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के हित में समय-समय पर उन्नत किस्मों एवं जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का विकास कर रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे गांव स्तर पर गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की पहल करें, जिससे समय पर बीज उपलब्ध हो सके और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हों। कुलपति ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल, भूमि एवं पर्यावरण का संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों जैसे प्राकृतिक खेती, डिग्यू कल्चर तथा कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के समुचित उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों का संरक्षण भी संभव है। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों का संगम है, जो भविष्य की कृषि दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि आज का किसान जागरूक, वैज्ञानिक सोच रखने वाला एवं नवाचारों को अपनाने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान किसानों से प्राप्त सुझाव एवं फीडबैक विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जिनके आधार पर नए अनुसंधान एवं तकनीकों को विकसित किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि हमें ऐसी टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली अपनानी होगी, जो न केवल किसानों की आय बढ़ाए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को भी सुरक्षित रखे। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित किसानों एवं प्रतिभागियों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जल के समुचित उपयोग, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, संस्थानों एवं कंपनियों को सम्मानित किया गया। मेले में बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र, कीटनाशी, पशु चिकित्सा एवं अन्य नवाचारों से संबंधित स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित- विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि स्टॉलों में से सीड्स ग्रुप में समग्र सीड्स प्रा. लि. प्रथम, आईएफएसए सीड्स प्रा. लि./स्टार एग्री सीड्स प्रा. लि. द्वितीय तथा शक्तिवर्धक हाइब्रिड सीड्स तृतीय स्थान पर रहे। इनसेक्टीसाइड/पेस्टिसाइड समूह में बायर क्रॉप साइंस लि. प्रथम, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लि./मैक्सग्रो एग्रोलॉजी लिमिटेड को द्वितीय तथा आर्बोडेंट इंटरनेशनल सोल्यूशंस एलएलपी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उर्वरक समूह में हैबिटेट जीनीय इम्प्रूवमेंट प्राइमरी लि. को प्रथम, इफको हरियाणा/कृभको को द्वितीय तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लि. को तृतीय स्थान मिला। मशीनरी/ट्रैक्टर समूह में करतार एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा. लि. प्रथम, दो सरदार एग्री वर्क्स/न्यू किसान सेवा केंद्र द्वितीय तथा विरदी एग्रो टेक्नोलॉजी/मास्टर माईड एग्रो इंडस्ट्रीज तृतीय स्थान पर रहे। वेट फार्मा ग्रुप में नानक लेबोरेटरीज (डॉ. जॉन) को प्रथम, वेक्स्टर हेल्थ केयर को द्वितीय तथा मधवेल फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि. को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रगतिशील किसान समूह में श्री बाले सिंह (मिंगनी खेड़ा, हिसार) को प्रथम, श्री योगेंद्र (महेंद्रगढ़) को द्वितीय तथा श्री सुभाष एवं श्री धर्मवीर (यमुनानगर) को तृतीय स्थान मिला। सीसीएसएचएयू विभाग समूह में सीड्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग प्रथम, सब्जी विज्ञान विभाग द्वितीय तथा एथिक बेकरी, ऑयलसीड सेक्शन तृतीय स्थान पर रहे। वहीं एमएचयू/लुवास/सरकारी विभाग समूह में लुवास, हिसार ने प्रथम, एमएचयू, करनाल ने द्वितीय तथा हरियाणा उद्यान विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिक्स ग्रुप में टेरानोवा एग्रो इनोवेशन प्रा. लि. को प्रथम, लेजर इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज को द्वितीय तथा शक्ति मेक मशीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा किसान कल्याण प्राधीकरण के सीईओ डॉ रविन्द्र चौहान भी उपस्थित रहे। धन्यवाद प्रस्ताव सह निदेशक विस्तार डॉ. सुनील डांडा ने किया। मंच का संचालन डॉ. कनिका एवं श्वेता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.03.2026	--	--

जागरूक किसान ही मजबूत कृषि की पहचान : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ सम्पन्न हुआ। कृषि मेला 'सतत कृषि-समृद्धि की राह' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के हित में समय-समय पर उन्नत किस्मों एवं जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का विकास कर रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे गांव स्तर पर गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की पहल करें, जिससे समय पर बीज उपलब्ध हो सकें और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हों। कुलपति ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल, भूमि एवं पर्यावरण का संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों जैसे प्राकृतिक खेती, टिश्यू कल्चर तथा कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के समुचित उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों का संरक्षण भी संभव है। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों का संगम है, जो भविष्य की कृषि दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि आज का किसान जागरूक, वैज्ञानिक सोच रखने वाला एवं नवाचारों को अपनाने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान किसानों से प्राप्त सुझाव एवं फीडबैक विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिनके आधार पर नए अनुसंधान एवं तकनीकों को विकसित किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि हमें ऐसी टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली अपनानी होगी, जो न केवल किसानों की आय बढ़ाए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को भी सुरक्षित रखे। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित किसानों एवं प्रतिभागियों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जल के समुचित उपयोग, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, संस्थानों एवं कंपनियों को सम्मानित किया गया। मेले में बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र, कीटनाशी, पशु चिकित्सा एवं अन्य नवाचारों से संबंधित स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि स्टॉलों में से सीड्स ग्रुप में समग सीड्स प्रा. लि. प्रथम, आईएफएसए सीड्स प्रा. लि./स्टार एग्री सीड्स प्रा. लि. द्वितीय तथा सवितर्का हाइब्रिड सीड्स तृतीय स्थान पर रहे। इनसेक्टीसाइड/पेस्टिसाइड समूह में बायर क्रॉप साइंस लि. प्रथम, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लि./मैक्सबो एग्रोलॉजी लिमिटेड को द्वितीय तथा आर्बोइट इंटरनेशनल सोल्यूशंस एलएलपी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उर्वरक समूह में हिंडिटेर जीनोम इम्यूवेट प्राइमरी लि. को प्रथम, इफको हरियाणा/कृभको को द्वितीय तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लि. को तृतीय स्थान मिला। मशीनरी/ट्रैक्टर समूह में करतार एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा. लि. प्रथम, दी सरदार एग्री वर्क्स/न्यू किसान सेवा केंद्र द्वितीय तथा विरदी एग्रो टेक्नोलॉजी/मास्टर माइंड एग्रो इंडस्ट्रीज तृतीय स्थान पर रहे। वेट फार्मा ग्रुप में नायक लेबोरेटरीज (डॉ. ऑम) को प्रथम, वेबस्टर हेल्थ केयर को द्वितीय तथा मधवेल फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि. को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रगतिशील किसान समूह में बाले सिंह (भिमली खेड़ा, हिसार) को प्रथम, योगेंद्र (महेंद्रगढ़) को द्वितीय तथा सुभाष एवं धर्मवीर (यमुनानगर) को तृतीय स्थान मिला। सीसीएसएचएयू विभाग समूह में सीड्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग प्रथम, सब्जी विज्ञान विभाग द्वितीय तथा एबिक बेकरी/ऑयलसीड सेक्शन तृतीय स्थान पर रहे। वहीं एमएचयू/लुवास/सरकारी विभाग समूह में लुवास, हिसार ने प्रथम, एमएचयू, करनाल ने द्वितीय तथा हरियाणा उद्यान विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिक्स ग्रुप में टेसनोवा एग्रो इनोवेशन प्रा. लि. को प्रथम, लेजर इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज को द्वितीय तथा सक्ति मेक मार्टल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण के सीईओ डॉ. रविन्द्र चौहान भी उपस्थित रहे। धन्यवाद प्रस्ताव सह निदेशक विस्तार डॉ. सुनील ढांडा ने किया। मंच का संचालन डॉ. कनिका एवं श्वेता ने किया।